एनपीसीआईएल में
निगम
सामाजिक उत्तरदायित्व

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
पुनर्वास और पुनर्स्थापन निदेशालय
विक्रम साराभाई भवन
अणुशक्तिनगर, मुंबई – 400094

एनपीसीआईएल

एनपीसीआईएल में निगम सामाजिक उत्तरदायित्व

1. न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का परिचय

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है । कंपनी का पंजीकरण सितंबर, 1987 में कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में किया गया था जिसका उद्देश्य परमाणु विद्युत संयंत्रों का प्रचालन और परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के अंतर्गत भारत सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के अनुसरण में विद्युत उत्पादन हेतु परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं का क्रियान्वयन है।

एनपीसीआईएल, न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टरों के अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनिंग और प्रचालन के लिए उत्तरदायी है। एनपीसीआईएल, एक एमओयू हस्ताक्षर करने, लाभांजन वाली और लाभांश का भुगतान करने वाली कंपनी है जिसकी क्रेडिट रेटिंग का स्तर उच्चतम है (क्रिसिल और केयर द्वारा एएए रेटिंग) । एनपीसीआईएल वर्तमान में 22 वाणिज्यिक न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टरों का प्रचालन कर रहा है जिसकी स्थापित क्षमता 6780 मेगावाट है। रिएक्टर फ्लीट में दो क्वथन जल रिएक्टर (बीडब्ल्यूआर) और 18 दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) हैं जिसमें भारत सरकार के स्वामित्व वाला राजस्थान का एक 100 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर शामिल है और दो 1000 मेगावाट के वीवीईआर रिएक्टर, केकेएनपीपी – 1व2 हैं । कुडनकुलम न्यूक्लियर विद्युत केंद्र की इकाई-2, जो कि एक 1000 मेगावाट के वीवीईआर (दाबित पानी रिएक्टर प्रकार) है, ने अपना वाणिज्यिक प्रचालन 31 मार्च, 2017 को प्रारंभ किया।

प्रचालनरत न्यूक्लियर विद्युत इकाइयां हैं :

- तारापुर परमाणु बिजलीघर इकाई-1व2 (2X160 मेगावाट बीडब्ल्यूआर)
- तारापुर परमाणु बिजलीघर इकाई-3व4 (2X540 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- राजस्थान परमाणु बिजलीघर इकाई-1 से 6 (100 मेगावाट , 200 मेगावाट और 4X220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- मद्रास परमाणु बिजलीघर इकाई-1व2 (2X220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- नरोरा परमाणु बिजलीघर इकाई-1व2 (2X220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- काकरापार परमाणु बिजलीघर इकाई-1व2 (2X220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- कैगा विद्युत उत्पादन केंद्र ईकाई-1 से 4 (4X220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर) और

- कुडनकुलम न्यूक्लियर विद्युत केंद्र इकाई-1व2 (2X1000 मेगावाट वीवीईआर)

निर्माणाधीन इकाइयां हैं :

- काकरापार परमाणु बिजलीघर इकाई-3व4 (2X700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- राजस्थान परमाणु बिजलीघर इकाई-7व8 (2X700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)
- कुडनकुलम न्यूक्लियर विद्युत केंद्र इकाई-3व4 (2X1000 मेगावाट वीवीईआर)
- गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना इकाई 1व2 (2X700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर)

इसी प्रकार भविष्य में न्यूक्लिर विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए महाराष्ट्र के जैतापुर, हरियाणा के गोरखपुर, मध्यप्रदेश के चुटका व भीमपुर, आंध्रप्रदेश के कोव्वाडा, गुजरात के मीठी विर्डी, राजस्थान के माही बासवाड़ा और पश्चिम बंगाल के हरिपुर स्थलों को सैद्धांतिक अनुमोदन प्रदान किया गया है।

एक जिम्मेदार निगम नागरिक होने के नाते एनपीसीआईएल सीएसआर क्रियाकलापों का निष्पादन करता है और साथ ही संधारणीय विकास (एसडी) से संबंधित परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी करता है। कंपनी लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा जारी निगम संचालन दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रहा है।

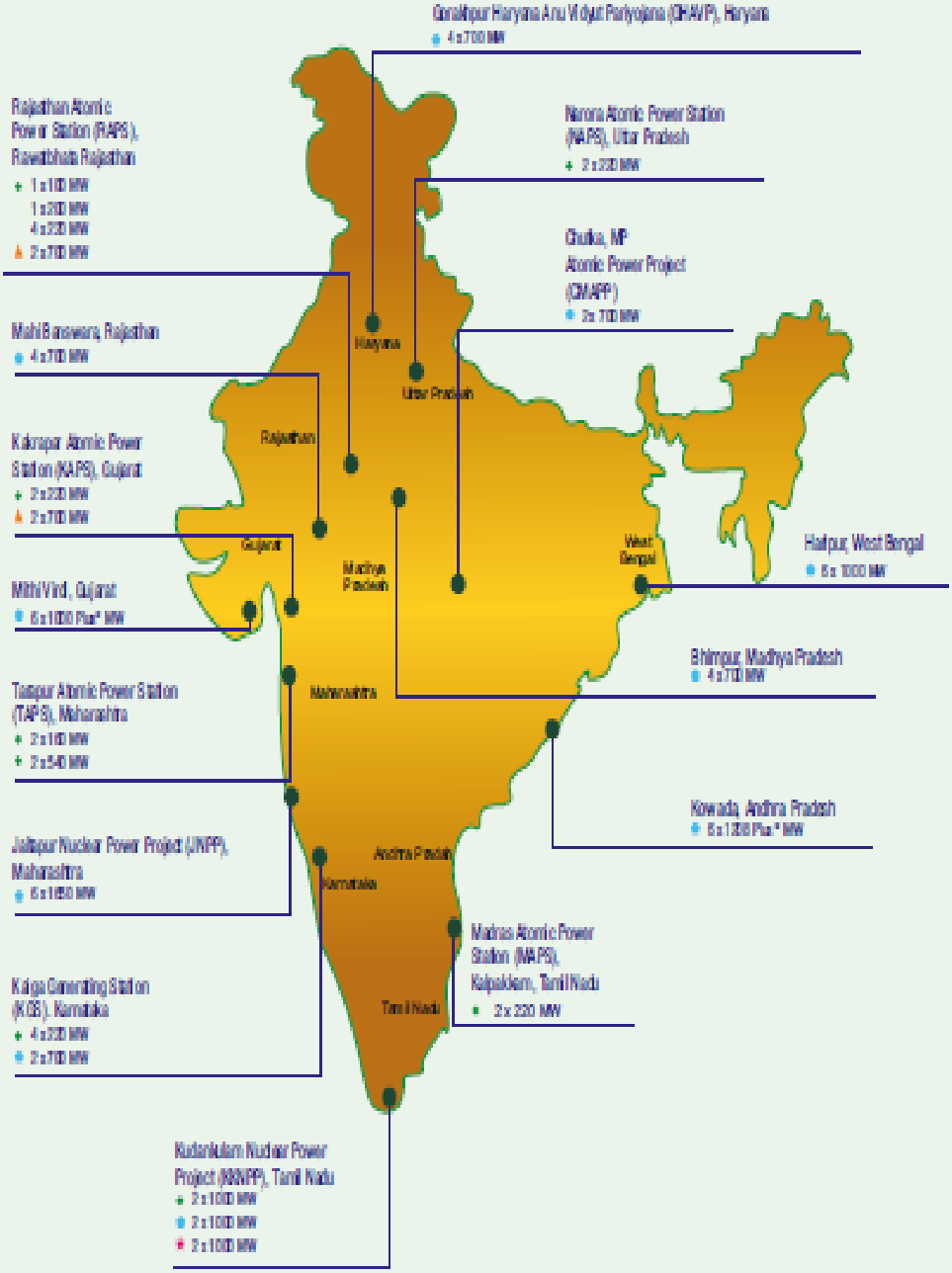

Capacity In Operation (6780MW)*

Capacity Under Construction (6200MW)

*Out of these units, RAPS-1 (100 MW)

is owned by the DAE and managed by NPCIL

- Plants Under Operation
- Plants Under Construction
- Proposed Projects / in-principle approval received from GoI
- Under sanction

KKNPP 3&4 and GHAVP 1&2 got administrative approval from Govt. of India

* Indicative Capacity

Map for representation only. Not to scale.

एनपीसीआईएल में निगम सामाजिक उत्तरदायित्व

2. एनपीसीआईएल में निगम के सामाजिक उत्तरदायित्व

एनपीसीआईएल अपनी सभी इकाइयों से 16 कि.मी. की परिधि में निवास करने वाले समुदाय के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अपनी वचनबद्धताओं के अनुसार अपने स्थापना से ही निगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है। सीएसआर कार्यक्रम सामान्यत: समुदाय के चिह्नित आवश्यकता के अनुसार क्रियान्वित किया जाता है । सीएसआर परियोजनाओ के मुख्य क्षेत्र शिक्षा, स्वास्थ्य सुश्रुषा, आधारभूत अवसंरचना, कौशल विकास, संधारणीय विकास और अन्य सामान्य परियोजनाएं हैं।

कंपनी अधिनियम, 2013 जिसमें पात्र कंपनियों के लिए सीएसआर अनिवार्य कर दिया गया था, द्रुत क्रियान्वयन के लिए वित्तीय शक्तियों के और अधिक प्रत्यायोजन के साथ वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सीएसआर कार्यक्रम को सशक्त किया गया है। इकाई सीएसआर प्रकोष्ठ और स्थल स्तर की समिति के आमेलन से एक दो स्तरीय संरचना स्थलों पर सीएसआर परियोजनाओं का प्रबंधन करते हैं। मुख्यालय में, स्तर II समिति और सीएसआर और संधारणीयता पर बोर्ड सब-समिति निगम सीएसआर कार्यक्रम को गति देता है। नीचे दिया गया चित्र एनपीसीआईएल के सीएसआर क्रियाकलापों को दर्शाता है। यह सीएसआर के मुख्य चिह्नित क्षेत्रों के साथ संधारणीय विकास हेतु तिहरे आधार बिंदु को एकत्र करता है।

एनपीसीआईएल सीएसआर सिध्दांत

3. एनपीसीआईएल द्वारा सीएसआर की यात्रा -छायाचित्रों में

शिक्षा : सीएसआर के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों में विद्यालय भवनों, कक्षाओं, सभा-कक्षों, प्रयोगशालाओं एवं शौचालयों आदि का निर्माण, फर्नीचरों, कंप्यूटरों, दृश्य-श्रव्य उपकरणों, शैक्षणिक उपकरणों, पाठ्यपुस्तकों व पुस्तकों, यूनीफॉर्म, जूते-चप्पलों, बारिश/सर्दी के कपड़ों एवं पौष्टिक आहारों इत्यादि की आपूर्ति, अध्यापकों की तैनाती, विद्यालय के लिए यातायात सुविधा मुहैय्या कराना, छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार प्रदान करना, खेल-कूद सुविधा प्रदान करना एवं प्रतियोगिताएं आयोजित करवाना, सकल स्वास्थ्य में सुधार इत्यादि जैसी परियोजनाएं शामिल है।

पंचायत संघ की प्राथमिक शाला,अदंकरकुलम गॉव एवं पंचायत में 5 गोल-मेज उपलब्ध कराना

सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पलवूर गॉव में 12 वीं के छात्रों को सौर-ऊर्जा वाली लैंटर्न उपलब्ध कराना।

महाराजपुर विद्यालय, नरौरा में बैग वितरण

मंडेसरा गॉव में भवन का निर्माण

स्थ्य सुरक्षा : सीएसआर के अंतर्गत स्वास्थ्य सुरक्षा गतिविधियों में ग्रामीणों हेतु प्रसूति वार्डों सहित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण, चल चिकित्सा वैन सेवाएं उपलब्ध कराना, चिकित्सा शिविर लगाना, जन्म-पूर्व एवं जन्म-पश्चात देखभाल मुहैय्या कराना, अस्पतालों के विकास और विस्तार हेतु निधि प्रदान करना, रक्त केंद्र सुविधाएं, चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराना, औषधियां एवं रोगनाशक पौष्टिकता (ओपीडी सेवाएं) उपलब्ध कराना इत्यादि जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

वालवलकर अस्पताल, दरवान, चिपलुन,जेनपीपी में कैंसर रोगियों के लिए आवास का निर्माण

असामर्थ्य के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर

आधारभूत संरचनाओं का विकास : सीएसआर के अंतर्गत आधारभूत संरचना विकास गतिविधियों में सुगम सड़कों एवं पुलों का निर्माण, पेय जल सुविधा का विकास, सामूदायिक हॉल का निर्माण, बस स्थानकों/शेडों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट का संस्थापन, कृषि, खेती, मत्स्यपालन तथा अन्य स्थानीय जीविकोपार्जन हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराना इत्यादि जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

कुचेगर गॉंव हेतु सड़क एवं पदचारी पुल

पुदुपट्टिनम गॉंव में बस शेल्टर

कौशल विकास : सीएसआर के अंतर्गत कौशल विकास गतिविधियों में कंप्यूटर दक्षता, सिलाई, कढ़ाई, ड्राइविंग, वेल्डिंग, चिनाई, आतिथ्य सेवाएं, बागवानी में स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं का प्रशिक्षण इत्यादि जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। ऐसा कोई भी कौशल जिससे स्थानीय क्षेत्रों में जीविकोपार्जन की संभावना है, उसको स्थानीय युवाओं व महिलाओं हेतु कौशल विकास के अंतर्गत शामिल किया जाता है।

गैर-सरकारी संगठन- एस ई ए द्वारा महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण, मामलापुरम

चिनाई में कौशल विकास

संधारणीय विकास : सीएसआर के अंतर्गत संधारणीय विकास में स्थानीय जीव-जंतुओं व वनस्पतियों, मछलियां, कछुओं, पक्षियों, तितलियों एवं मडफ्लैपों, वनों, अप्रवाही जल इत्यादि का संरक्षण, भूमि, जल एवं वायु स्रोतों की सफाई व संरक्षण, वर्षा जल का एकत्रीकरण, जलाशयों से जल-कंटकों का निरस्तीकरण/सफाई इत्यादि जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

नपबिघ, नरौरा में कछुआ परियोजना

काकरापार में तितली उद्यान

4. संपर्क विवरण

मुंबई के निगमीय मुख्यालय में सीएसआर कार्य का नेतृत्व अधिशासी निदेशक (पुनर्वास एवं पुन:स्थापन) द्वारा किया जाता है। प्रत्येक इकाइयों में संबंधित स्थल/बिजलीघर/परियोजना निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व वाली सीएसआर समिति की सहायता से सीएसआर कार्यक्रम का कार्यान्वयन करते हैं। एनपीसीआईएल के सीएसआर कार्यक्रम में भाग लेने की प्रक्रिया जानने के लिए कृपया : अधिशासी निदेशक (आर एंड आर तथा बी.डी.), न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई – 400094, फोन : 022-25991246 पर संपर्क करें, csr@npcil.co.in पर हमें मेल करें।

NPCIL'S Mission

To develop nuclear power technology and to produce Nuclear Power as a safe, environmentally benign and economically viable source of electrical energy to meet the increasing electricity needs of the country.

सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दु:ख भाग्भवेत् ।।

NPCIL'S CSR Objective

To continue and strengthen the neighbourhood welfare programme/CSR activities for achieving inclusive growth of surrounding population.

Nuclear Power Corporation of India Limited

Published by:
Directorate of Rehabilitation and Resettlement
12-N-17, Vikram Sarabhai Bhawan, Anushakti Nagar, Mumbai- 400 094
Tel.: 2599 1246 Fax: 2599 1248
E-mail: csr@npcil.co.in
Website: www.npcil.nic.in